International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157
Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.org
Volume 2; Issue 5; September 2017; Page No. 365-372

जनपद सुल्तानपुर की जनांकिकीय विशेषताएँ

डॉ० अरूण प्रताप सिंह
डी०फिल्०, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत।

प्रस्तावना

किसी प्रदेश की जनांकिकीय विशेषताएँ उस प्रदेश के भौतिक पर्यावरण के तत्वों तथा संसाधनों का संयुक्त परिणाम होती है (ब्रन्चेस, जे., 1976)। मानव संसाधनों का सृजनकर्ता एवं उपभोक्ता दोनों है। मानव के लिए उपयोगी हुए बिना कोई भी तत्व संसाधन की संज्ञा नहीं पाता। अतः किसी देश के संसाधनों का समुचित उपयोग होने के लिए अभीष्ट जनसंख्या का होना अति आवश्यक है। जनांकिकीय वैशिष्टय पर ही संसाधनों का वर्तमान उपयोग, संरक्षण एवं समुचित नियोजन आधारित होता है तथा उसी के सन्दर्भ में विकास स्तर का मापन या निर्धारण किया जाता है। जनसंख्या की प्रवृत्ति और उसकी अन्य विशेषताओं के ज्ञान से योजना निर्माताओं, विद्वानों, व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं निर्वाचन प्राधिकारियों की आवश्यकता की पूर्ति होती है, साथ ही साथ प्रभावी एवं कुशल प्रशासन के लिए भी यह अनिवार्य है। उपर्युक्त के सन्दर्भ में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या संरचना का संक्षिप्त विवेचन प्रस्तुत किया गया है।

जनसंख्या वृद्धि

2011 की जनगणना के अनुसार जनपद सुल्तानपुर की कुल जनसंख्या 2407897 है। जो उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या का लगभग 1.21 प्रतिशत है। इसका क्षेत्रफल उत्तर प्रदेश का 1.11 प्रतिशत है। जनपद की विगत दशक 2001–2011 की वृद्धि दर 17. 57 प्रतिशत थी, जो उत्तर प्रदेश (20.22 प्रतिशत) तथा भारत (17.70 प्रतिशत) की वृद्धि दर से कम थी।

तालिका–1 से स्पष्ट है कि विकासखण्ड स्तर पर (2001–2011 में) सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर विकासखण्ड अखण्ड नगर में (22.34 प्रतिशत) जबकि सबसे कम वृद्धि दर विकासखण्ड धनपतगंज में (14.02 प्रतिशत) दर्ज की गयी। तालिका 1 से स्पष्ट है कि जनपद के 6 विकासखण्डों में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि, जनपद की औसत दशकीय वृद्धि (17.57 प्रतिशत) से अधिक रही, ये विकासखण्ड कुरवर (17.97 प्रतिशत), मोतिगरपुर (18.26 प्रतिशत), दोस्तपुर (20.02 प्रतिशत), दुबेपुर (20.46 प्रतिशत), जयसिंहपुर (20. 93 प्रतिशत) तथा अखण्ड नगर (22.34 प्रतिशत) हैं, जबकि 8 विकासखण्डों में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि, जनपद की औसत दशकीय वृद्धि (17.57 प्रतिशत) से कम रही, ये विकासखण्ड धनपतगंज (14.02 प्रतिशत), करौदी कलां (14.25 प्रतिशत), कादीपुर (14.62 प्रतिशत),

प्रतापपुर कमैचा (15.71 प्रतिशत), लम्भुआ (15.73 प्रतिशत), कुरेभार (15.78 प्रतिशत), वाल्दीराय (16.39 प्रतिशत) तथा भादैया (17.47 प्रतिशत) हैं।

तालिका 1: जनपद सुल्तानपुर : विकासखण्डवार जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर (प्रतिशत में) 2001–2011

क्र. सं.	विकासखण्ड	जनसंख्या 2001	जनसंख्या 2011	दशकीय वृद्धि (प्रतिशत में)
1.	वाल्दीराय	156756	182455	16.39
2.	धनपतगंज	142754	162765	14.02
3.	कुरेभार	167938	194430	15.78
4.	जयसिंहपुर	165335	199942	20.93
5.	कुरवर	172802	203850	17.97
6.	दुबेपुर	202874	244373	20.46
7.	भादैया	133306	156601	17.47
8.	दोस्तपुर	107515	129040	20.02
9.	अखण्ड नगर	137881	168686	22.34
10.	लम्भुआ	152586	176585	15.73
11.	प्रतापपुर कमैचा	111871	129451	15.71
12.	कादीपुर	115929	132880	14.62
13.	मोतिगरपुर	84370	99776	18.26
14.	करौदी कलां	70171	80171	14.25
योग ग्रामीण		1922088	2261005	17.63
योग नगरीय		126000	146892	16.58
योग जनपद		2048088	2407897	17.57

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2005, 2015

जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व किसी क्षेत्र के संसाधनों पर जनसंख्या के दबाव को प्रतिबिम्बित करता है। क्लार्क के शब्दों में जनसंख्या घनत्व मनुष्य के क्षेत्रीय वितरण के प्रारूप को स्पष्ट करने का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण हथियार है। सामान्यतः किसी क्षेत्र की कुल जनसंख्या को उसके कुल क्षेत्रफल से विभाजित करके प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या प्राप्त करते हैं, जिसे सामान्य या गणितीय घनत्व कहते है; परन्तु इस प्रकार का घनत्व जनसंख्या का वितरण मोटे तौर पर ही दर्शाता है। इसके द्वारा क्षेत्र विशेष की आन्तरिक वितरण स्थिति अथवा जनसंख्या की आर्थिक दशाओं का स्पष्ट संकेत नहीं मिलता। इसीलिए जनसंख्या की आर्थिक दशाओं की यथासम्भव संकेत प्राप्त करने के लिए सामान्य

घनत्व के साथ ही कायिक घनत्व तथा कृषि घनत्व का भी प्रयोग किया गया है।

सामान्य घनत्व

सामान्य घनत्व किसी क्षेत्र विशेष के प्रति वर्ग किमी. क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या होती है। जनपद में जनसंख्या का सामान्य

घनत्व 901 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है, जो उत्तर प्रदेश के घनत्व (829) एवं भारत के औसत जनघनत्व (382) की तुलना में अधिक है। जनपद में विकासखण्डवार जनसंख्या घनत्व को तालिका 2 में प्रदर्शित किया गया है। तालिका 2 से स्पष्ट है कि विकासखण्ड स्तर पर जनसंख्या घनत्व में असमानता देखने को मिलती है। जनपद में सबसे कम जनसंख्या घनत्व दोस्तपुर विकासखण्ड में (702 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर) पाया जाता है। कम घनत्व का कारण जिला मुख्यालय से ज्यादा दूरी, सिंचाई, परिवहन तथा अन्य अवस्थापना सुविधाओं का अल्प विकास एवं विस्तार है, जबकि सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व दुबेपुर विकासखण्ड में (1271 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर) पाया जाता है, जहाँ जनपद का जिला मुख्यालय है।

तालिका 2: जनपद सुल्तानपुर : सामान्य जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, 2011)

क्र. सं.	विकासखण्ड	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर	जनसंख्या 2011	घनत्व
1.	वाल्दीराय	224.18	182455	814
2.	धनपतगंज	225.20	162765	723
3.	कुरेभार	221.88	194430	876
4.	जयसिंहपुर	225.75	199942	886
5.	कुरवर	214.07	203850	950
6.	दुबेपुर	192.28	244373	1271
7.	भादैया	211.23	156601	741
8.	दोस्तपुर	183.92	129040	702
9.	अखण्ड नगर	220.51	168686	765
10.	लम्भुआ	214.87	176585	822
11.	प्रतापपुर कमैचा	136.86	129451	946
12.	कादीपुर	152.86	132880	869
13.	मोतिगरपुर	122.74	99776	813
14.	करौदी कलां	107.47	80171	746
योग ग्रामीण		2653.81	2261005	852
योग नगरीय		19.08	146892	7699
योग जनपद		2672.89	2407897	901

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2005, 2015

कायिक घनत्व

कृषि प्रधान इस क्षेत्र के लिए कायिक घनत्व जनसंख्या भार की अधिक अर्थपूर्ण स्थिति को व्यक्त करता है। कायिक घनत्व प्रति इकाई कृषि भूमि पर निवास करने वाली कुल जनसंख्या को व्यक्त करता है। इसे निम्न सूत्र द्वारा व्यक्त किया जा सकता है–

$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल कृषि भूमि}}$$

अर्थात् इसमें केवल कृषि के अन्तर्गत सम्मिलित क्षेत्रफल को आधार मानते हैं। अकृष्य भूमि को इसमें सम्मिलित नहीं किया जाता अर्थात केवल शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल और जनसंख्या के बीच सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है। जनपद का औसत कायिक घनत्व 1356 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो सामान्य घनत्व से बहुत अधिक है।

तालिका 3: जनपद सुल्तानपुर : कायिक घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) 2011

क्र. सं.	विकासखण्ड	कृषिगत भूमि (वर्ग किमी. में)	कुल जनसंख्या	कायिक घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)
1.	वाल्दीराय	156.96	182455	1162
2.	धनपतगंज	136.29	162765	1194
3.	कुरेभार	137.58	194430	1413
4.	जयसिंहपुर	144.77	199942	1381
5.	कुरवर	146.82	203850	1388
6.	दुबेपुर	121.21	244373	2016
7.	भादैया	141.31	156601	1108
8.	दोस्तपुर	126.86	129040	1017
9.	अखण्ड नगर	147.16	168686	1146
10.	लम्भुआ	155.86	176585	1133
11.	प्रतापपुर कमैचा	93.81	129451	1380
12.	कादीपुर	129.18	132880	1029
13.	मोतिगरपुर	83.82	99776	1190
14.	करौदी कलां	51.58	80171	1554
योग ग्रामीण		1773.21	2261005	1275
योग नगरीय		3.08	146892	47692
योग जनपद		1776.29	2407897	1356

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2005, 2015

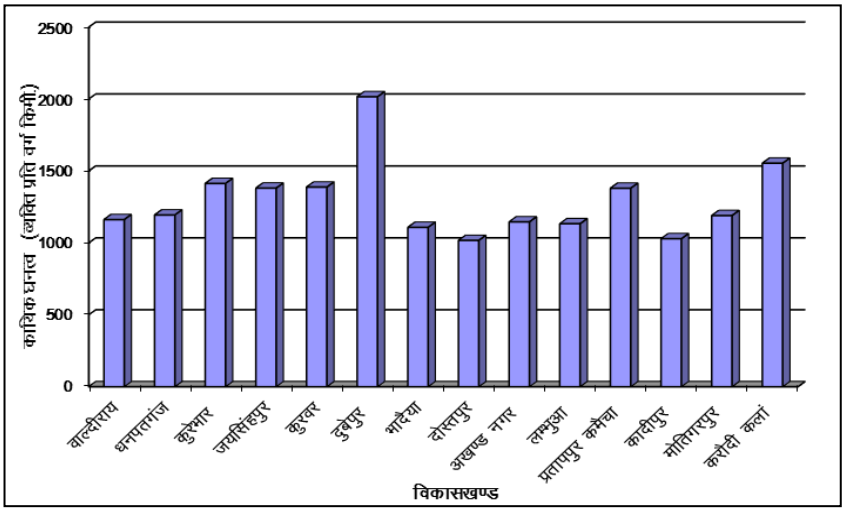

ग्राफ 1: जनपद सुल्तानपुर : कायिक घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. कृषि भूमि) 2011

जनपद में कायिक घनत्व का विकासखण्डवार विवरण तालिका 3 में प्रदर्शित किया गया है। तालिका 3 से स्पष्ट है कि विकासखण्ड स्तर पर कायिक घनत्व में विषमता देखने को मिलती है। जनपद में सबसे कम कायिक घनत्व विकासखण्ड दोस्तपुर में (1017 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) जबकि सबसे अधिक कायिक घनत्व विकसखण्ड दुबेपुर में (2016 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) पाया जाता है। जनपद के 8 विकासखण्डों में कायिक घनत्व, जनपद के औसत कायिक घनत्व (1356 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) से कम पाया जाता है, ये विकासखण्ड दोस्तपुर (1017), कादीपुर (1029), भादैया (1108), लम्भुआ (1133), अखण्ड नगर (1146), वाल्दीराय (1162), मोतिगरपुर (1190) तथा धनपतगंज (1194) हैं तथा 06 विकासखण्डों में कायिक घनत्व जनपद के औसत कायिक घनत्व (1356 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) से अधिक पाया जाता है ये विकासखण्ड प्रतापपुर कमैचा (1380), जयसिंहपुर (1381), कुरवर (1388), कुरेभार (1413), करौदी कलां (1554) तथा दुबेपुर (2016) हैं।

कृषि घनत्व

तालिका 4: जनपद सुल्तानपुर : कृषि घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) 2011

क्र. सं.	विकासखण्ड	कृषिगत भूमि (वर्ग किमी. में)	कृषि में संलग्न जनसंख्या	कृषि घनत्व
1.	वाल्दीराय	156.96	22918	146
2.	धनपतगंज	136.29	21461	158
3.	कुरेभार	137.58	23916	174
4.	जयसिंहपुर	144.77	23053	159
5.	कुरवर	146.82	21203	145
6.	दुबेपुर	121.21	22084	182
7.	भादैया	141.31	17086	121
8.	दोस्तपुर	126.86	16144	127
9.	अखण्ड नगर	147.16	26166	178
10.	लम्भुआ	155.86	17067	110
11.	प्रतापपुर कमैचा	93.81	16290	174
12.	कादीपुर	129.18	20034	155
13.	मोतिगरपुर	83.82	13267	158
14.	करौदी कलां	51.58	12997	252
योग ग्रामीण		1773.21	273686	154
योग नगरीय		3.08	2766	898
योग जनपद		1776.29	276452	156

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2015

कृषि घनत्व का तात्पर्य प्रति इकाई कृषिगत भूमि पर निवास करने वाली, कृषि में संलग्न जनसंख्या से है। क्षेत्रीय आर्थिक दशा ज्ञात करने में इसका अधिक महत्व होता है। कृषि घनत्व के परिकलन में कृषक एवं कृषि मजदूर को सम्मिलित किया गया है। इस कृषि घनत्व को निम्न सूत्र द्वारा प्रदर्शित करते हैं–

$$\text{कृषि घनत्व} = \frac{\text{कृषि में संलग्न जनसंख्या}}{\text{कुल कृषिगत भूमि}}$$

इस आधार पर जनपद का औसत कृषि घनत्व 156 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। जनपद में कृषि घनत्व का विकासखण्डवार विवरण तालिका 4 में प्रदर्शित किया गया है। कृषि घनत्व किसी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित करता है। जैसे–जैसे किसी क्षेत्र का विकास होता जाता है तो अन्य क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध होने से कृषि पर निर्भर जनसंख्या में कमी आने लगती है, जिससे कृषि घनत्व कम होने लगता है। अतः कम कृषि घनत्व बेहतर आर्थिक स्थिति को प्रकट करता है। तालिका 4 से स्पष्ट है कि जनपद में सबसे कम कृषि घनत्व विकासखण्ड लम्भुआ में (110 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) जबकि सबसे अधिक कृषि घनत्व विकासखण्ड करौदी कलां में (252 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) पाया जाता है।

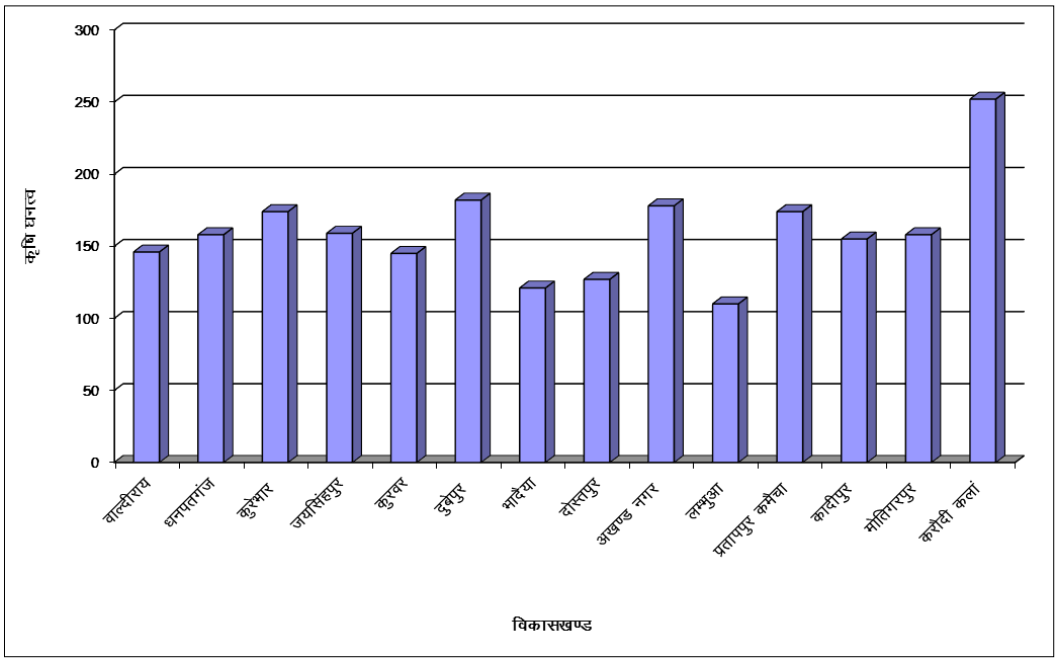

ग्राफ 2: जनपद सुल्तानपुर : कृषि घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) 2011

लिंगानुपात

लिंगानुपात का आशय किसी क्षेत्र विशेष कि कुल जनसंख्या में स्त्री एवं पुरूष के अनुपात से है। लिंगानुपात को प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र एक कृषि प्रधान क्षेत्र है जहाँ कृषि कार्य मानव श्रम पर आश्रित है वहाँ लिगांनुपात का अत्यधिक महत्व है। यह कृषि अर्थव्यवस्था के साथ–साथ जनसंख्या वृद्धि, वैवाहिक दर एवं व्यावसायिक संरचना को प्रभावित करता है।

अध्ययन क्षेत्र की सम्पूर्ण जनसंख्या में 50.43 प्रतिशत पुरूष है एवं 49.57 प्रतिशत स्त्रियाँ हैं। जनपद में लिंगानुपात 983 है, जो उत्तर प्रदेश के औसत लिंगानुपात (912) से अधिक है। जनपद में लिंगानुपात का विकासखण्डवार विवरण तालिका 5 में प्रदर्शित है।

तालिका 5: जनपद सुल्तानपुर : लिंगानुपात (2011)

क्र. सं.	विकासखण्ड	थ्लंगानुपात (1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)
1.	वाल्दीराय	982
2.	धनपतगंज	986
3.	कुरेभार	981
4.	जयसिंहपुर	983
5.	कुरवर	974
6.	दुबेपुर	964
7.	भादैया	987
8.	दोस्तपुर	991
9.	अखण्ड नगर	988
10.	लम्भुआ	1035
11.	प्रतापपुर कमैचा	1004
12.	कादीपुर	988
13.	मोतिगरपुर	989
14.	करौदी कलां	1007
योग ग्रामीण		988
योग नगरीय		917
योग जनपद		983

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2015

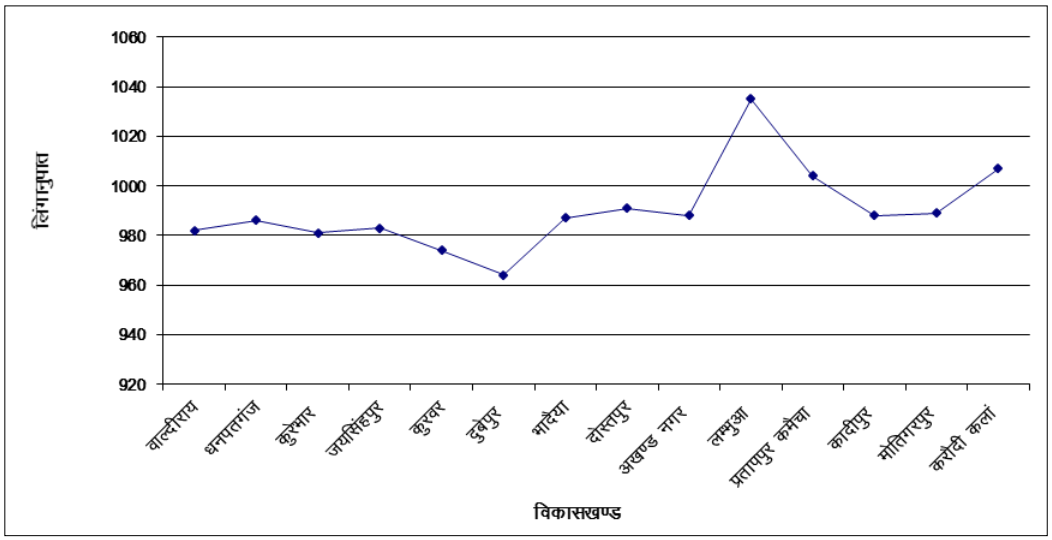

ग्राफ 3: जनपद सुल्तानपुर : लिंगानुपात (2011)

तालिका–5 से स्पष्ट है कि जनपद में सबसे कम लिंगानुपात विकासखण्ड दुबेपुर में (964) जबकि सबसे अधिक लिंगानुपात विकासखण्ड लम्भुआ में (1035) पाया जाता है। जनपद के 9 विकासखण्डों में लिंगानुपात जनपद के औसत लिंगानुपात (983) से अधिक जबकि 4 विकासखण्डों में लिंगानुपात जनपद के औसत लिंगानुपात (983) से कम तथा एक में जनपद के औसत के बराबर पाया जाता है।

ग्रामीण संविकास में महिलाओं की भी बराबर की भागीदारी होती है। कृषि कार्य में महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है एवं इनके बिना कृषि का संधृत विकास सम्भव नहीं है, अतः इनका अनुपात पुरूषों की तुलना में कम नहीं होना चाहिए।

साक्षरता

साक्षरता किसी क्षेत्र के सामाजिक विकास का सूचक है और शिक्षा विकास की एक अनिवार्य शर्त है। शिक्षा के माध्यम से आधुनिकीकरण और विकास के वांछित परिवर्तनों को लाया जा सकता है। शिक्षा की कमी विकास प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न करती है। कृषकों को कृषि कार्य के साथ–साथ कृषि सम्बन्धी अभिनव तकनीक को कृषि में प्रयुक्त करने हेतु साक्षर होना आवश्यक है। कृषि विकास एवं शिक्षा में घनिष्ठ सह–सम्बन्ध पाया जाता है। शिक्षा के माध्यम से कृषक नये–नये अनुसंधानों, तकनीकों एवं कृषि प्रणालियों को अपनाने में सक्षम हो पाता है, जिससे कृषि कार्यो में वृद्धि होती है। ग्रामीण

संविकास हेतु सभी कृषकों का शिक्षित होना आवश्यक है।

2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल साक्षरता 70.55 प्रतिशत है, जिसमें स्त्री साक्षरता 59.52 प्रतिशत है, जबकि पुरूष साक्षरता 81.51 प्रतिशत है। जो उत्तर प्रदेश की औसत साक्षरता (67.70 प्रतिशत), महिला साक्षरता (57.20 प्रतिशत) तथा पुरूष साक्षरता (77.30 प्रतिशत) से अधिक है। यद्यपि जनपद की साक्षरता में लगातार वृद्धि हो रही है परन्तु फिर भी शत् प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करना अब भी एक बड़ी चुनौती है। उम्मीद है कि अगले 2–3 दशकों में शत् प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जायेगा। इससे जनपद के सामाजिक और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। जनपद की विकासखण्डवार साक्षरता को तालिका 6 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 6 से स्पष्ट है कि जनपद में कुल साक्षरता एवं महिलाओं की साक्षरता का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड दुबेपुर में पाया जाता है जबकि पुरूषों की साक्षरता का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड प्रतापपुर कमैचा में पाया जाता है तथा कुल साक्षरता, महिलाओं की साक्षरता एवं पुरूषों की साक्षरता का सबसे कम प्रतिशत विकासखण्ड करौदी कलां में पाया जाता है।

तालिका 6: जनपद सुल्तानपुर : साक्षरता का प्रतिशत (2011)

क्र. सं.	विकासखण्ड	पुरूष	स्त्री	कुल
1.	वाल्दीराय	78.02	55.96	67.04
2.	धनपतगंज	82.13	59.65	70.90
3.	कुरेभार	81.13	59.30	70.26
4.	जयसिंहपुर	79.72	58.35	69.08
5.	कुरवर	82.66	59.93	71.39
6.	दुबेपुर	82.52	60.64	71.74
7.	भादैया	83.12	58.99	71.05
8.	दोस्तपुर	78.93	57.20	68.04
9.	अखण्ड नगर	80.78	59.44	70.10
10.	लम्भुआ	82.79	59.23	70.67
11.	प्रतापपुर कमैचा	83.79	59.59	71.58
12.	कादीपुर	79.33	55.97	67.66
13.	मोतिगरपुर	81.38	59.93	70.63
14.	करौदी कलां	71.15	40.84	55.81
योग ग्रामीण		80.96	58.26	69.61
योग नगरीय		89.38	79.03	84.42
योग जनपद		81.51	59.52	70.55

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2015

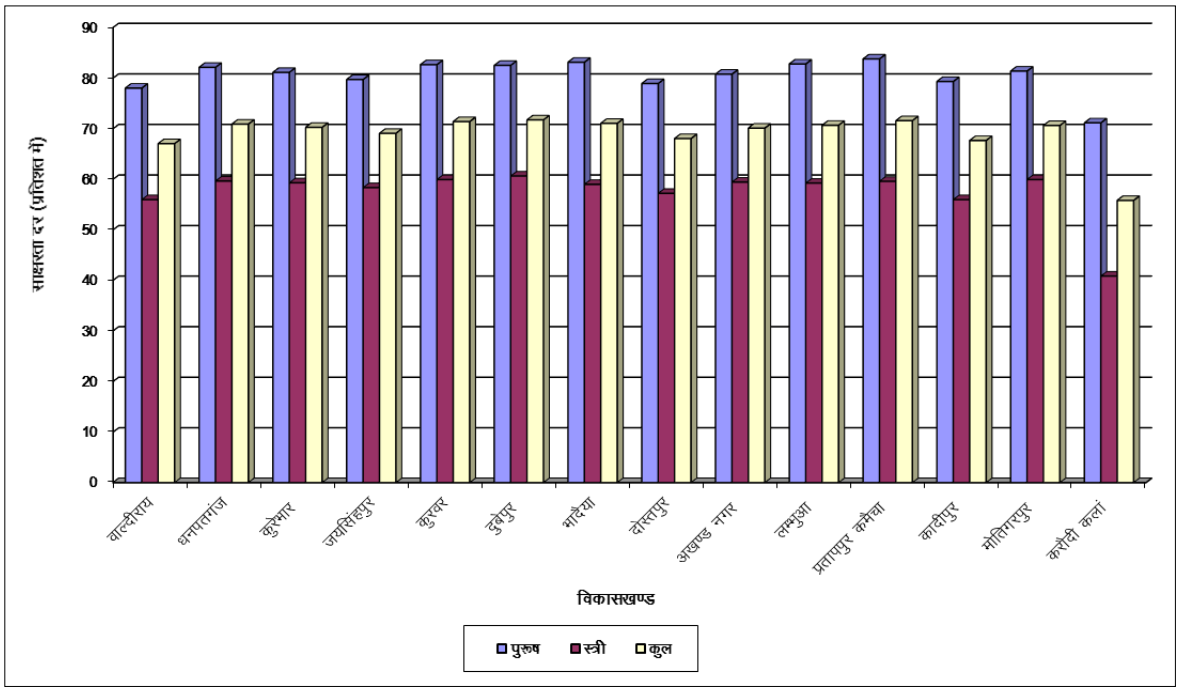

ग्राफ 4: जनपद सुल्तानपुर : साक्षरता का प्रतिशत (2011)

व्यावसायिक संरचना

आर्थिक दृष्टिकोण से जनसंख्या के व्यावसायिक संरचना का विशेष महत्व है, क्योंकि इससे जनसंख्या के जीविकोपार्जन की दशाएँ प्रकट होती हैं। क्षेत्र के विकास स्तर का बोध होता है, भूमि एवं अन्य संसाधनों पर जनसंख्या के दबाव का आकलन होता है। अध्ययन क्षेत्र एक कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहाँ की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण है, जिससे व्यावसायिक संरचना में कृषि एवं कृषि सम्बन्धित कार्यों की प्रधानता है। व्यावसायिक संरचना में कुल कर्मकर को निम्न प्रकार से विभाजित किया गया है –

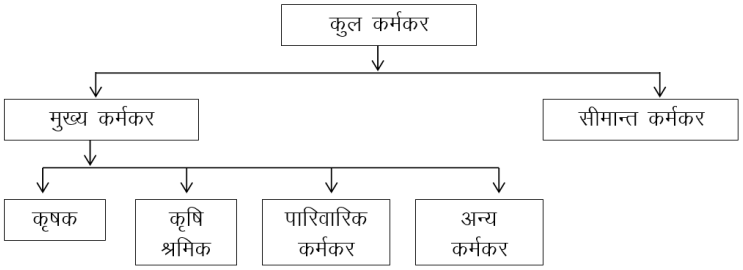

जनपद में कार्यशील जनसंख्या के अध्ययन से निम्न तथ्य प्रकट होते हैं–

- 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या का 31.94 प्रतिशत कर्मकर जनसंख्या है।
- समस्त कार्यशील जनसंख्या में 94.38 प्रतिशत ग्रामीण एवं मात्र 5.62 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या है।
- समस्त कर्मकर में 57.63 प्रतिशत मुख्य कर्मकर एवं 42.37 प्रतिशत सीमान्त कर्मकर है।
- समस्त कर्मकर का 21.56 प्रतिशत कृषक, 14.39 प्रतिशत कृषि श्रमिक, 3.98 प्रतिशत पारिवारिक कर्मकर एंव 17.70 प्रतिशत अन्य कर्मकर है।
- कार्यशील जनसंख्या के क्षेत्रीय वितरण में पर्याप्त विषमता दृष्टिगत होती है।

तालिका 7: जनपद सुल्तानपुर : जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना (2011)

क्र. सं.	विकासखण्ड	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक कर्मकर	अन्य कर्मकर	कुल मुख्य कर्मकर	सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर (संख्या)
1.	वाल्दीराय	19.51	17.49	3.28	12.07	52.35	47.65	61938
2.	धनपतगंज	20.89	17.10	4.51	11.73	54.23	45.77	56488
3.	कुरेभार	22.96	13.96	4.09	16.63	57.64	42.36	64787
4.	जयसिंहपुर	20.73	14.64	3.63	13.27	52.27	47.73	65187
5.	कुरवर	21.22	14.26	4.35	16.52	56.35	43.65	59756
6.	दुबेपुर	14.90	14.10	6.37	26.63	62.00	38.00	76145

7.	भादैया	19.15	15.38	3.56	16.58	54.67	45.33	49487
8.	दोस्तपुर	22.34	16.51	1.82	8.47	49.14	50.86	41550
9.	अखण्ड नगर	31.94	16.83	1.59	13.47	63.83	36.17	53652
10.	लम्भुआ	19.59	10.43	4.35	12.83	47.20	52.80	56859
11.	प्रतापपुर कमैचा	26.97	14.03	3.53	12.70	57.23	42.77	39735
12.	कादीपुर	31.70	16.29	3.49	12.65	64.13	35.87	41740
13.	मोतिगरपुर	21.57	18.17	3.17	13.53	56.44	43.56	33388
14.	करौदी कलां	40.06	11.86	2.85	9.51	64.28	35.72	25035
योग ग्रामीण		22.67	15.04	3.79	14.77	56.27	43.73	725747
योग नगरीय		2.94	3.46	7.07	67.08	80.55	19.45	43198
योग जनपद		21.56	14.39	3.98	17.70	57.63	42.37	768945

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका, सुल्तानपुर, 2015

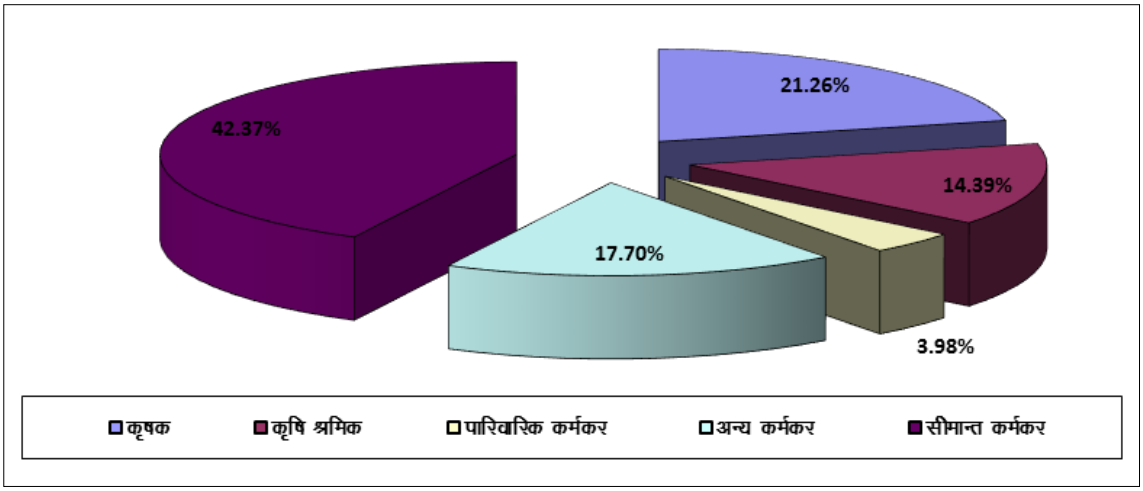

ग्राफ 5: जनपद सुल्तानपुर : कार्यशील जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना (2011)

कृषक

कृषक वह व्यक्ति है, जो अपनी स्वयं की भूमि, सरकार से पट्टे (लीज) पर प्राप्त भूमि या किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था से बटाई या किराये पर ली गयी भूमि या अन्य प्रकार से प्राप्त भूमि पर या तो स्वयं खेती करता है या अपने निर्देशन या देख–रेख में उस जमीन पर कृषि करवाता है। इसमें वे व्यक्ति भी कृषक माने जाते हैं, जो पारिवारिक सदस्य के रूप में खेती करते हैं। तालिका 2.9 से स्पष्ट है कि कृषक का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड करौदी कलां में (40.06 प्रतिशत) जबकि सबसे कम प्रतिशत विकासखण्ड दुबेपुर में (14.90 प्रतिशत) पाया जाता है। दुबेपुर में जिला मुख्यालय होने से विकास का स्तर अपेक्षाकृत उच्च है, जिससे कृषि के अलावा अन्य कार्यों में जनसंख्या संलग्न है।

कृषि श्रमिक

कार्यशील जनसंख्या का वह भाग जो नकद, अनाज या कुछ अन्य चीज के रूप में मजदूरी या बटाई लेकर दूसरे व्यक्ति के खेत में काम करता है, कृषि मजदूर कहलाता है। कृषि श्रमिक का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड मोतिगरपुर में (18.17 प्रतिशत) जबकि सबसे कम प्रतिशत विकासखण्ड लम्भुआ में (10.43 प्रतिशत) पाया जाता है।

पारिवारिक कर्मकर

मनुष्य की भौतिक आवश्कयताओं की पूर्ति हेतु कार्यशील जनसंख्या का कुछ भाग व्यापार, वाणिज्य एवं दुकानदारी आदि कार्यों में लगा हुआ है। पारिवारिक कर्मकर का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड दुबेपुर में (6.37 प्रतिशत) जबकि सबसे कम प्रतिशत विकासखण्ड अखण्ड नगर में (1.59 प्रतिशत) पाया जाता है।

अन्य कर्मकर

इसमें पशुपालन, उद्योग, निर्माण कार्य, परिवहन, संचार सेवा तथा अन्य कार्यों में लगी जनसंख्या को सम्मिलित किया गया है। अन्य कर्मकर का सबसे अधिक प्रतिशत विकासखण्ड दुबेपुर में (26.63 प्रतिशत) जबकि सबसे कम प्रतिशत विकासखण्ड दोस्तपुर में (8.47 प्रतिशत) पाया जाता है।

सन्दर्भ

1. Census of India (2001): District Census Handbook, Sultanpur District.
2. Census of India (2011): District Census Handbook, Sultanpur District.
3. District Gazetteer, Sultanpur (1998): Department of District Gazetteers, Lucknow, U.P.
4. Hoggart, K. and Buller, H. (1987): Rural Development: A Geographical Perspective, Croom Helm, New York.
5. शर्मा, जे.पी. (2005): प्रायोगिक भूगोल रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ, पृ. 345–424।
6. सिंह, कटार (2011): ग्रामीण विकास : सिद्धान्त नीतियाँ एवं प्रबन्ध, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
7. सिंह, सविन्द्र (2009): भौतिक भूगोल का स्वरूप, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ. 187–196।
8. सिंह, जगदीश एवं सिंह, काशीनाथ (2005): आर्थिक भूगोल के

मूल तत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
9. तिवारी, आर.सी. एवं सिंह, बी.एन. (2009): कृषि भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ. 53–74।
10. लाल, डी.एस. (2004) : जलवायु विज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ. 147–201।
11. जनपद विकास पुस्तिका (2009): सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, सुल्तानपुर।
12. जिला सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद सुल्तानपुर– 2005, 2015
13. कुरूक्षेत्र, अगस्त, 2012, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, पृ. 10–23।
14. योजना अक्टूबर, 2013, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, पृ. 23–25।